अध्याय–चतुर्थ
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ

4.0 भूमिका

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या शोधप्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्के के प्रयोग को व्यक्त करता है। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं के स्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समूह व उपसमूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है। जो नवीन सिद्धान्त की खोज अथवा सामान्यीकरण रूप से होता है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अंतर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण द्वारा कर शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पत्तियों द्वारा किया जाता है।

प्रस्तुत अध्याय में उचित सांख्यिकी विधियों का उपयोग करके प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इस शोध अध्ययन में कुल 7 परिकल्पनायें रखी गई है। जिसकी जांच करने उपरान्त त्वरित प्रदत्तों के निरंतर प्रस्तुतीकरण के लिए शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणाम की व्याख्या की गई है।

जे.एच. पाईनकर के शब्दों –

"एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है किन्तु पत्थरों के ढेर से नहीं वरन् जटिल पत्थरों को सुव्यवस्थित रूप से रखने से होता है, वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरान्त उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता है।

4.1 लिंग के परिप्रेक्ष में परिकल्पना का परीक्षण :–

इस शोध कार्य की प्रथम परिकल्पना यह है कि प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है। इसका अर्थ यह हुआ कि शिक्षकों में लिंग का अध्यापन अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इसका परीक्षण करने के उपरान्त निम्न तालीका क्र. 4.1 से प्राप्त परिणामों का विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है।

तालिका क्र. 4.1

शिक्षक–शिक्षिकाओं की अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति दर्शानेवाली 't' मूल्य की सार्थकता

क्र.	लिंग	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी मान	सार्थकत स्तर
1.	पुरूष	251.55	26.04	77	127	1.2	0.233
2.	स्त्री	257.23	27.01	52	–	–	–

तालिका क्रमांक 4.1 से ज्ञात होता है कि लिंग के लिये 't' का मान 1.2 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिये परिकल्पना अस्वीकृत नहीं की जाती है। इसका अर्थ यह है कि शिक्षकों के लिंग का अध्यापन अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

परिकल्पना परीक्षण के साथ–साथ शोधकर्ता को यह जानने की रूची है कि शिक्षकों के अध्यापन अभिवृत्ति के विभिन्न घटकों पर लिंग का क्या प्रभाव है। तालिका क्र. 4.1.1 में 't' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्र. 4.1.1

शिक्षकों का अध्यापन संबंधि अभिवृत्ति के विभिन्न घटक पर प्रभाव दर्शानेवाला 't' मूल्य का मान

क्र.	घटक	लिंग	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी मान	सार्थक
1.	शिक्षा व्यवसाय	पु. स्त्री	44.43 46.54	5.83 6.76	77 52	127	1.889	0.06
2.	कक्षा शिक्षा	पु. स्त्री	40.26 40.81	6.18 6.48	77 52	127	0.485	0.62
3.	बाल केन्द्रीत शिक्षा	पु. स्त्री	46.03 46.46	6.75 5.76	77 52	127	0.381	0.70
4.	शिक्षा प्रक्रिया	पु. स्त्री	43.48 44.37	6.45 5.62	77 52	127	0.804	0.42
5.	छात्र	पु. स्त्री	37.25 38.81	6.51 6.19	77 52	127	1.362	0.1
6.	शिक्षक	पु. स्त्री	39.79 40.63	6.37 7.20	77 52	127	0.699	0.4

तालिका क्र. 4.1.1 से दृष्टिपात करने पर यह ज्ञात होता है कि शिक्षकों के अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति घटकों का 't' का मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं पाया गया है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों का अध्यापन अभिवृत्ति के घटकों शिक्षा, व्यवसाय कक्षा शिक्षण, बाल केन्द्रित शिक्षा शिक्षा प्रक्रिया, विद्यार्थी एवं शिक्षक पर इन घटकों लिंग का किसी भी प्रकार का कोई प्रभाव नहीं दिखाई देता है।

इसका कारण यह हो सकता है कि समाज में स्त्री पुरूष समानता के उपर अधिकाधिक जनजागरण हुआ है। स्त्रियां भी पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे है। स्त्री अत्याचार भी नष्ट हो रहा है। इसलिए आज स्त्रियों की सोचने की दृष्टि पुरुषों के ही समान है चाहे वह स्त्री शिक्षक हो, अधिकारी हो, वैज्ञानिक हो अथवा गृहिणी हो। इसलिए अध्यापन अभिवृत्ति पर लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है यह ठोस रूप से कह सकते हैं।

4.2 स्थान के परिप्रेक्ष में परिकल्पना का परीक्षण :

इस शोधकर्ता की द्वितीय परिकल्पना यह है कि प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों में स्थान (Local) के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है। इसका अर्थ यह है कि स्थान (Locality) का अध्यापन अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इसका परीक्षण करने के उपरान्त निम्न तालीका क्रमांक 4.2 से प्राप्त परिणामों का विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है।

तालिका क्रमांक 4.2

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के शिक्षकों की अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति दर्शानेवाली 't' मूल्य की सार्थकता

क्र.	स्थान के आधार	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी मान	सार्थक स्तर
1.	ग्रामीण	255.06	28.79	79	127	0.659	0.51
2.	शहरी	251.90	22.51	50			

तालिका क्रमांक 4.2 से ज्ञात होता है कि स्थान को लिये टी का मान 0.659 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिए परिकल्पना अस्वीकृत नहीं की जाती है। इसका अर्थ यह है कि शिक्षकों के अध्यापन अभिवृतित पर विद्यालयों के क्षेत्र का कोई प्रभाव नही पड़ता है।

परिकल्पना परीक्षण के साथ-साथ शोधकर्ता को यह जानने की रूची है कि शिक्षकों के अध्यापन अभिवृत्ति के विभिनन घटकों पर विद्यालयों के क्षेत्रों का क्या प्रभाव है। तालिका क्र. 4.2.1 में क्षेत्र का 't' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.2.1

स्थान का शिक्षकों के अध्यापन अभिवृत्ति के विभिन्न घटकों पर प्रभाव दर्शानेवाला 't' का मूल्य

क्र.	घटक	क्षेत्र	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी	सार्थकता स्तर
1.	शिक्षा व्यवसाय	ग्रामीण	45.37	6.82	79			
		शहरी	45.14	5.40	50	127	0.199	0.842
2.	कक्षा शिक्षा	ग्रामीण	40.51	6.46	79			
		शहरी	40.44	6.05	50	127	0.058	0.954
3.	बाल केन्द्रित शिक्षा	ग्रामीण	46.11	7.04	79			
		शहरी	46.34	5.14	50	127	0.196	0.845
4.	शिक्षा प्रक्रिया	ग्रामीण	43.43	6.53	79			
		शहरी	44.48	5.41	50	127	0.948	0.345
5.	छात्र	ग्रामीण	39.08	5.42	79			
		शहरी	35.98	7.38	50	127	2.741	0.007
6.	शिक्षक	ग्रामीण	40.82	6.65	79			
		शहरी	39.04	6.72	50	127	1.478	0.142

तालिका क्र. 4.2.1 से दृष्टिपात करने से यह ज्ञात होता है कि अध्यापन अभिवृत्ति का घटक छात्र का टी मूल्य सार्थक है। इस घटकों पर स्थान का प्रभाव पड़ता है। ग्रामीण क्षेंत्रों के शिक्षकों का अध्यापन अभिवृतित का मध्यमान (39.08) है जो शहरी शिक्षकों का अध्यापन अभिवृत्ति का मध्यमान (35.98) से अधिक है। इसका अर्थ यह है कि स्थान का शिक्षकों के अध्यापज अभिवृत्ति का घटक छात्र पर प्रभाव दिखाई देता है। शिक्षा व्यवसाय, कक्षा शिक्षा बालकेन्द्रीत शिक्षा, शिक्षक इन घटकों पर स्थान का कोई प्रभाव दिखाई नहीं देता।

इसका कारण यह हो सकता है कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में प्रशिक्षित शिक्षक होते हैं। सभी क्षेत्रों के शिक्षकों को विषय तज्ञ् से प्रशिक्षण दिया जाता है। ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में शैक्षणिक साधनों का उपयोग करते हैं । इसलिए आज ग्रामीण क्षेत्रों में लोग स्पर्धा में उतरे हैं। इसका ही कारण हो सकता है कि शिक्षा क्षेत्र में स्पर्धा बढ़ी है। इसलिए हम ठोस रूप से कह सकते हैं कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का अध्यापन अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

4.3 विद्यालय के प्रकार के परिप्रेक्ष में परिकल्पना का परीक्षण –

इस शोधकार्य की तृतीय परिकल्पना यह है कि प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों में शाला के प्रकार के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है। इसका अर्थ यह है कि विद्यालयों के प्रकार का अध्यापन अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इसका परीक्षण के उपरान्त निम्न तालिका क्रमांक 4.3 से प्राप्त परिणामों का विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है।

तालिका क्र. 4.3

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों का अध्यापन के प्रती अभिवृत्ति दर्शानेवाली 't' मूल्य का सार्थकता–

क्र.	स्थान के आधार	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी मान	सार्थक स्तर
1.	शासकीय	257.26	24.00	72	127	1.663	0.09
2.	अशासकीय	249.51	28.96	57			

तालिका क्रमांक 4.3 से ज्ञात होता है कि विद्यालय प्रकार के परिप्रेक्ष में 't' का मूल्य 1.663 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिए परिकल्पना अस्वीकृत नहीं की जाती है। इसका अर्थ यह है कि विद्यालय के प्रकार का शिक्षकों के अध्यापन अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

परिकल्पना परीक्षण के साथ-साथ शोधकर्ता को यह जानने की रूची है कि शिक्षकों के अध्यापन अभिवृतित के विभिन्न घटकों पर विद्यालयों के प्रकार का क्या प्रभाव है । इसके लिये तालिका क्रमांक 4.3.1 में 't' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.3.1

शिक्षकों के अध्यापन अभिवृत्ति संबंधी प्रति विद्यालयों के प्रकार का 't' मूल्य का मान

क्र.	घटक	क्षेत्र	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी	सार्थकता स्तर
1.	शिक्षा व्यवसाय	शासकीय	45.44	6.09	72			
		अशासकीय	45.07	6.57	57	127	0.335	0.738
2.	कक्षा शिक्षा	शासकीय	41.51	5.98	72			
		अशासकीय	39.18	6.46	57	127	2.129	0.035
3.	बाल केन्द्रित शिक्षा	शासकीय	46.58	5.87	72			
		अशासकीय	45.72	6.92	57	127	0.767	0.445
4.	शिक्षा प्रक्रिया	शासकीय	44.10	5.75	72			
		अशासकीय	43.51	6.60	57	127	0.541	0.590
5.	छात्र	शासकीय	38.06	6.75	72			
		अशासकीय	37.65	6.00	57	127	0.357	0.722
6.	शिक्षक	शासकीय	41.01	6.35	72			
		अशासकीय	39.02	7.03	57	127	1.692	0.93

तालिका क्रमांक 4.3.1 से ज्ञात हुआ की शिक्षकों के अध्यापन अभिवृत्ति संबंधी का घटक कक्षा शिक्षा में विद्यालय के प्रकार का प्रभाव पड़ता है। शासकीय विद्यालयों का मध्यमान (41.51), अशासकीय विद्यालयों के मध्यमान (39.18) से अधिक है। शिक्षा व्यवसाय बालकेन्द्रित शिक्षा, शिक्षा प्रक्रिया, विद्यार्थी एवं शिक्षक इन पर विद्यालयों के प्रकार का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

इसका कारण यह हो सकता कि, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों का व्यावसायिक पात्रता समान होती है। जो सुविधा शासकीय विद्यालयों के शिक्षकों को मिलती है वही सुविधा अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों को मिलती है। इसलिए विद्यालयों के अध्यापन अभिवृत्ति पर विद्यालयों के प्रकार कोई प्रभाव नहीं दिखाई देता।

4.4 अनुभव के परिप्रेक्ष में परिकल्पना का परीक्षण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के अनुभव को पांच वर्ग में विभक्त किया गया है। वह है कुछ नहीं, 3 साल से कम, 4–9 साल का, 10–15 साल का, 16 से अधिक अनुभव चौथी परिकल्पना यह है कि प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों में अनुभव के आधार पर अध्यापन संबंधि अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है। इसका परीक्षण तालिका क्रमांक 4.4 दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.4

शिक्षकों के अनुभव के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति दर्शानेवाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता

क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान योग	एफ अनुपात	सार्थकता स्तर
1.	समूह के मध्य	2868.58	4	717.144		
2.	समूह के अन्तर्गत	86905.0	124	700.85	1.023	0.398
	योग	**89773.6**	**128**			

तालिका क्र. 4.4 से ज्ञात होता है कि अनुभव के लिये 'एफ' का मान 1.023 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है इसका अर्थ यह होता है की

प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। यह परिकल्पना अस्विकृत नहीं की जाती है।

परिकल्पना परिक्षण के साथ-साथ शोधकर्ता को यह जानने की रूचि है कि प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों के अनुभव का अध्यापन अभिवृत्ति के घटकों पर क्या प्रभाव पड़ता है। तालिका क्र. 4.4.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्र. 4.4.1

अनुभव का अध्यापन अभिवृत्ति विभिन्न घटकों पर क्या प्रभाव है यह दर्शानेवाला 'एफ' का मान

क्र.	घटक प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान	एफ अनुपात	सार्थकत स्तर
1.	शिक्षा व्यवसाय समूह के मध्य समूह के अंतर्गत	 105.135 4948.818	 4 124	 26.284 39.910	 0.659	 0.622
	योग	**5053.953**	**128**			
2.	कक्षा शिक्षा समूह के मध्य समूह के अंतर्गत	 162.231 4885.970	 4 124	 40.558 39.403	 1.029	 0.39
	योग	**5048.202**	**128**			
3.	बाल केन्द्रित शिक्षा समूह के मध्य समूह के अंतर्गत	 159.482 4997.278	 4 124	 39.870 40.301	 0.989	 0.416
	योग	**5156.760**	**128**			
4.	शिक्षा प्रक्रिया समूह के मध्य समूह के अंतर्गत	 142.887 4656.695	 4 124	 35.722 37.554	 0.951	 0.43
	योग	**4799.581**	**128**			
5.	छात्र समह के मध्य समूह के अंतर्गत	 240.936 5013.079	 4 124	 60.234 40.428	 1.490	 0.20
	योग	**5254.016**	**128**			
6.	शिक्षक समूह के मध्य समूह के अंतर्गत	 269.604 5483.155	 4 124	 67.401 44.219	 1.524	 0.19
	योग	**5752.760**				

तालिका क्रमांक 4.4.1 दृष्टिपात करने से यह स्पष्ट होता है कि अध्यापन अभिवृत्ति के सभी शिक्षा व्यवसाय, कक्षाशिक्षा, बालकेन्द्रित, शिक्षा प्रक्रिया, छात्र, शिक्षक इन घटकों पर अनुभव का कोई प्रभाव नहीं पाया जाता है।

इसका कारण यह हो सकता कि जिनका अधिक अनुभव होता है उनका उतना ही अध्यापन अभिवृत्ति बढ़ती है। जिन शिक्षकों का अनुभव कम होता है। वह शिक्षक अध्यापन अधिक-अधिक अच्छा करने के लिये प्रयास करते रहते है। नई-नई शिक्षा तकनीक का स्वीकार करते है। इसलिए उनके अनुभव का अध्यापन अभिवृत्ति कोई प्रभाव नहीं दिखाई देता।

4.5 शैक्षिक योग्यता के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

प्रस्तुत अध्ययन में शैक्षिक योग्यता को तीन वर्गो में विभक्त किया गया है। वह है पी.जी., बी.ए., अन्य यह शोधकार्य कि पांचवी परिकल्पना यह है कि प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों में शैक्षिक योग्यता के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्र. 4.5

शैक्षिक योग्यता के आधार पर शिक्षकों की अध्यापन अभिवृत्ति दर्शानेवाला 'एफ' का मूल्य

क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गो का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुपात	सार्थकता स्तर
1.	समूह के मध्य	3438.3	2	1719.14	2.509	0.085
2.	समूह के अन्तर्गत	86335	126	685.201		
	योग	**89774**	**128**			

तालिका क्रमांक 4.5 से ज्ञात होता है कि शैक्षिक योग्यता के लिये 'एफ' का मान 2.509 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिए

परिकल्पना अस्वीकृत नहीं की जाती। इसका अर्थ यह है कि शिक्षकों के शैक्षिक योग्यता का अध्यापन अभिवृत्ति पर प्रभाव नहीं पाया गया है।

परिकल्पना परीक्षण के साथ-साथ शोधकर्ता को यह जानने की रूची है कि अध्यापन अभिवृत्ति के छः घटकों पर शैक्षिक योग्यता का क्या प्रभाव पड़ता है। तालिका क्र. 4.5.1 में एक मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.5.1
शैक्षिक योग्यता का अध्यापन अभिवृतित के घटकों पर क्या प्रभाव है इसके बारे में 'एफ' मान की सार्थकता -

क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गो का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुपात	सार्थकत स्तर
1.	शिक्षा व्यवसाय					
	समूह के मध्य	95.776	2	47.888	1.217	0.30
	समूह के अंतर्गत	4958.2	126	39.351		
	योग	5054.0	128			
2.	कक्षा शिक्षा					
	समूह के मध्य	70.748	2	35.374	0.895	0.41
	समूह के अंतर्गत	4977.5	126	39.504		
	योग	5048.2	128			
3.	बाल केन्द्रित क्षेत्र					
	समूह के मध्य	246.263	2	123.	3.159	0.04
	समूह के अंतर्गत	4910.0	126	132		
	योग	5156.8	128	38.972		
4.	शिक्षा प्रक्रिया					
	समूह के मध्य	89.272	2	44.636	1.194	0.30
	समूह के अंतर्गत	4710.3	126	37.383		
	योग	4799.3	128			
5.	छात्र					
	समूह के मध्य	169.920	2	84.960	2.106	0.12
	समूह के अंतर्गत	5084.1	126	40.350		
	योग	5254.0	128			
6.	शिक्षक					
	समूह के मध्य	43.604	2	21.802	0.481	0.6
	समूह के अंतर्गत	5709.2	126	40.350		
	योग	5752.8	128	45.311		

तालिका क्र. 4.5.1 से दृष्टिपात करने से यह ज्ञात होता है कि बाल केन्द्रित शिक्षा एफ अनुपात 3.159 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। इसका अर्थ यह है कि शिक्षकों के शैक्षिका योग्यता का प्रभाव बाल केन्द्रित शिक्षा पर पाया जाता है। शिक्षा व्यवसाय, कक्षा शिक्षा, शिक्षा प्रक्रिया, छात्र, शिक्षक इन पर शैक्षिक योग्यता का कोई प्रभाव नहीं पाया जाता है।

4.6 व्यावसायिक योग्यता के आधार पर परिकल्पना का परीक्षण –

प्रस्तुत अध्ययन में व्यावसायिक योग्यता को तीन वर्ग में विभक्त किया गया है। वह है डी. एड., बी.एड., अन्य है। छठवीं परिकल्पना यह है कि प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों में व्यावसायिक योग्यता के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है। इसका परीक्षण करने के उपरान्त निम्न तालिका क्रमांक 4.6 से प्राप्त परिणामों का विश्लेषण प्रस्तुत किया जा सकते है।

तालिका क्र. 4.6

व्यावसायिक योग्यता के आधार पर शिक्षकों की अध्यापन अभिवृत्ति दर्शानेवाला 'एफ' का मूल्य

क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान योग	एफ अनुपात	सार्थक स्तर
1.	समूह के मध्य	209.175	1	209.18		
2.	समूह के अन्तर्गत	89564.4	127	705.23	0.297	0.58
	योग					

तालिका क्र. 4.6 से ज्ञात होता है कि व्यावसायिक योग्यता के लिए एक का मान 0.297 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिए यह परिकल्पना अस्वीकृत नहीं की जाती है। इसका अर्थ है कि व्यावसायिक योग्यता का प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों में अध्यापन अभिवृत्ति संबंधी कोई

परिकल्पना परीक्षण के साथ-साथ शोधकर्ता को यह जानने की रूची है कि अध्यापन अभिवृत्ति के छः घटकों पर व्यावसायिक योग्यता का क्या प्रभाव है। तालीका क्र. 4.6.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्र. 4.6.1

व्यावसायिक योग्यता का अध्यापन अभिवृत्ति के घटकों पर क्या प्रभाव है यह दर्शानेवचाला 'एफ' मूल्य

क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुपात	सार्थकत स्तर
1.	शिक्षा व्यवसाय					
	समूह के मध्य	1.229	1	1.229	0.031	0.861
	समूह के अंतर्गत	5052.72	127	39.785		
	योग	5053.95	128			
2.	कक्षा शिक्षा					
	समूह के मध्य	11.187	1	11.187	0.282	0.59(
	समूह के अंतर्गत	5037.01	127	39.662		
	योग	5048.20	128			
3.	बाल केन्द्रित शिक्षा					
	समूह के मध्य	54.158	1	54.158	1.348	0.24
	समूह के अंतर्गत	5102.60	127	40.178		
	योग	5156.76	128			
4.	शिक्षा प्रक्रिया					
	समूह के मध्य	3.120	1	3.120	0.083	0.77
	समूह के अंतर्गत	4796.46	127	37.767		
	योग	4799.58	128			
5.	छात्र					
	समूह के मध्य	78.985	1	78.985	1.938	0.16
	समूह के अंतर्गत	5175.03	127	40.748		
	योग	5254.02	128			
6.	शिक्षक					
	समूह के मध्य	8.009	1	8.009	0.177	0.6'
	समूह के अंतर्गत	5744.75	127	45.234		
	योग	5752.76	128			

तालिका क्र. 4.6.1 से दृष्टिपात करने से यह ज्ञात होता है कि शिक्षा व्यवसाय, कक्षा शिक्षा, बालकेन्द्रित शिक्षा, शिक्षा प्रक्रिया, छात्र, शिक्षक, इन अध्यापन घटकों पर व्यावसायिक योग्यता का कोई प्रभाव नहीं पाया जाता है।

इसका कारण यह है कि प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक पात्रता समान होती है। शिक्षकों प्रशिक्षण देते समय मानसशास्त्र की शिक्षा दी जाती है। इसका ही उपयोग शिक्षक अध्यापन करते समय करते है इसलिए व्यावसायिक पात्रता का कोई प्रभाव नहीं दिखाई देता।

4.7 उम्र के आधार पर परिकल्पना का परीक्षण –

प्रस्तुत अध्ययन में उम्र को तीन वर्ग में विभक्त किया गया है, वह है 20-35, 36-50, 50 से अधिक इस शोधकार्य की यह सातवी परिकल्पना है कि प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों में उम्र के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है। इसका परीक्षण तालिका क्र. 4.7 में दर्शाया गया है।

तालिका क्र. 4.7

उम्र के आधार पर शिक्षकों की अध्यापन अभिवृत्ति दर्शानेवाला 'एफ' का मूल्य

क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गो का योग	मुक्तांश	मध्यमान योग	एफ अनुपात	सार्थकत स्तर
1.	समूह के मध्य	3126.97	3	1042.32	1.504	0.217
2.	समूह के अन्तर्गत	86646.6	125	693.173		
	योग	**89773.6**				

तालिका क्र. 4.7 से ज्ञात होता है कि उम्र के लिए 'एफ' का मान 1.504 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिये परिकल्पना अस्वीकृत

की जाती है। इसका अर्थ यह है कि शिक्षकों के उम्र का अध्यापन अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना परीक्षण के साथ-साथ शोधकर्ता को यह जानने की रूचि है कि अध्यापन अभिवृत्ति के छः घटकों पर शिक्षकों के उम्र का क्या प्रभाव पड़ता है। तालिका क्र. 4.7.1 में 'एफ' मूल्य दर्शाया गया है।

तालिका क्र. 4.7.1

उम्र का अध्यापन अभिवृत्ति के घटकों पर क्या प्रभाव है इसके बारे में 'एफ' मान की सार्थकता

क्र.	प्रसरण स्त्रोत	वर्गों का योग	मुक्तांश	मध्यमान वर्ग	एफ अनुपात	सार्थकता स्तर
1.	शिक्षा व्यवसाय					
	समूह के मध्य	83.149	3	27.716	0.697	0.556
	समूह के अंतर्गत	4970.804	125	39.766		
	योग	5053.953	128			
2.	कक्षा शिक्षा					
	समूह के मध्य	187.590	3	62.530	1.608	0.191
	समूह के अंतर्गत	4860.612	125	38.885		
	योग	5048.202	128			
3.	बाल केन्द्रित शिक्षा					
	समूह के मध्य	152.079	3	50.693	1.266	0.289
	समूह के अंतर्गत	5004.681	125	40.037		
	योग	5156.760	128			
4.	शिक्षा प्रक्रिया					
	समूह के मध्य	87.180	3	29.060	0.771	0.512
	समूह के अंतर्गत	4712.402	125	37.699		
	योग	4799.581	128			
5.	छात्र					
	समूह के मध्य	360.056	3	120.019	3.065	0.031
	समूह के अंतर्गत	4893.960	125	39.152		
	योग	5254.016	128			
6.	शिक्षक					
	समूह के मध्य	225.324	3	75.108	1.699	0.17
	समूह के अंतर्गत	5527.436	125	44.219		
	योग	5752.760	128			

तालिका क्रमांक 4.7.1 से ज्ञात होता है कि शिक्षकों उम्र का अध्यापन अभिवृत्ति का घटक छात्र पर प्रभाव पड़ता है। शिक्षा व्यवसाय, कक्षाध्यापन शिक्षा, बाल केन्द्रित शिक्षा, शिक्षा प्रक्रिया, शिक्षक इन घटकों पर उम्र का कोई प्रभाव नहीं पाया जाता है।

******